Daily Current Affairs 08/09/2021

1. THE वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022

THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2022 TOP 10

Rank 2022	Rank 2021	Institution	Country/region
1	1	University of Oxford	United Kingdom
=2	4	California Institute of Technology	United States
=2	3	Harvard University	United States
4	2	Stanford University	United States
=5	6	University of Cambridge	United Kingdom
=5	5	Massachusetts Institute of Technology	United States
7	9	Princeton University	United States
8	7	University of California, Berkeley	United States
9	8	Yale University	United States
10	10	The University of Chicago	United States

चर्चा में क्यों?

- **टाइम्स हायर एजुकेशन (THE)** ने **वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022** जारी किया।

प्रमुख बिंदु

वैश्विक रैंकिंग

- **ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ब्रिटेन** लगातार छठे वर्ष के लिए रैंकिंग में सबसे ऊपर है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के कॉलेज शीर्ष 20 रैंकों पर प्रभावशाली है जिनमे **कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी** क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

भारत की रैंकिंग:

- **भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु** देश का शीर्ष प्रदर्शन करने वाला संस्थान है, लेकिन इसे 301-350 ग्रुप में स्थान दिया गया है।
- इसके बाद IIT रोपड़ और JSS एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च का नंबर आता है। दोनों 351-400 ग्रुप में हैं।
- कुल मिलाकर, दुनिया के शीर्ष 1,000 विश्वविद्यालयों में से 35 भारत से है।

THE वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022 के बारे में:

- THE वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022 में 99 देशों और क्षेत्रों में 1,600 से अधिक विश्वविद्यालय शामिल हैं, जो उन्हें अब तक की सबसे बड़ी और सबसे विविध विश्वविद्यालय रैंकिंग बनाते हैं।

- तालिका 13 सावधानीपूर्वक कैलिब्रेटेड प्रदर्शन संकेतकों पर आधारित है जो चार क्षेत्रों में एक संस्थान के प्रदर्शन को मापते हैं: शिक्षण, अनुसंधान, ज्ञान हस्तांतरण और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण।

टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) के बारे में:

- टाइम्स हायर एजुकेशन, पूर्व में टाइम्स हायर एजुकेशन सप्लीमेंट, एक पत्रिका है जो विशेष रूप से उच्च शिक्षा से संबंधित समाचारों और मुद्दों पर रिपोर्टिंग करती है।

संबंधित भारत की पहल:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020
- प्रतिष्ठित संस्थान (IoE) योजना
- उच्चतर आविष्कार योजना
- अनुसंधान नवाचार और प्रौद्योगिकी को प्रभावित करना (IMPRINT)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

2. कार्बी आंगलोंग समझौता

चर्चा में क्यों?

- कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में वर्षों की हिंसा को समाप्त करने के लिए **असम के पाँच विद्रोही समूहों**, **केंद्र** और **राज्य सरकार** के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता **'कार्बी आंगलोंग समझौता'** पर हस्ताक्षर किये गए।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में इस पर हस्ताक्षर किए गए।

- कार्बी समझौता - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "उग्रवाद मुक्त समृद्ध पूर्वोत्तर" के दृष्टिकोण में एक मील का पत्थर साबित होगा।

प्रमुख बिंदु

कार्बी आंगलोंग-समझौते की मुख्य विशेषताएं:

- शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले विद्रोही समूहों में कार्बी लोंगरी नॉर्थ कछार हिल्स लिबरेशन फ्रंट (KLNLF), पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी लोंगरी (PDCK), यूनाइटेड पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (UPLA), कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर्स (KPLT) और कुकी लिबरेशन फ्रंट (KLF) शामिल हैं।
- इस ऐतिहासिक समझौते के फलस्वरूप, 1000 से अधिक सशस्त्र कैडर हिंसा का त्याग कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।
- कार्बी क्षेत्रों में विशेष विकास परियोजनाओं को शुरू करने के लिए केंद्र सरकार और असम सरकार द्वारा पांच वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये का एक विशेष विकास पैकेज दिया जाएगा।
- यह समझौता ज्ञापन असम की क्षेत्रीय और प्रशासनिक अखंडता को प्रभावित किए बिना, **कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (KAAC)** को और अधिक स्वायत्तता का हस्तांतरण, कार्बी लोगों की पहचान, भाषा, संस्कृति आदि की सुरक्षा और परिषद क्षेत्र में सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करेगा।
- असम सरकार KAAC क्षेत्र से बाहर रहने वाले कार्बी लोगों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक कार्बी कल्याण परिषद की स्थापना करेगी।

कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (KAAC) के बारे में:

- यह असम राज्य में कार्बी आंगलोंग और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों के विकास और संरक्षण के लिए एक स्वायत्त जिला परिषद है।
- परिषद का गठन **भारत के संविधान की छठी अनुसूची के** तहत किया गया है और प्रशासनिक रूप से असम सरकार के तहत कार्य करता है।

पूर्वोत्तर के अन्य हालिया शांति समझौते:

- NLFT त्रिपुरा समझौता, 2019
- ब्रू समझौता, 2020
- बोडो शांति समझौता

स्रोत: PIB

3. इंस्पायर पुरस्कार - मानक

चर्चा में क्यों?

- **इंस्पायर पुरस्कार -- मानक (MANAK-मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज)** के तहत 8वीं **राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी और परियोजना प्रतियोगिता (NLEPC)** शुरू हुई।
- यह देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 581 छात्रों के नवीन विचारों को प्रदर्शित कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

इंस्पायर पुरस्कार - मानक योजना के बारे में:

- INSPIRE पुरस्कार - MANAK योजना 'स्टार्ट-अप इंडिया' पहल के साथ जुड़ी हुई है।
- इस योजना का उद्देश्य 10-15 वर्ष के आयु वर्ग के छात्रों और कक्षा 6 से 10 तक पढ़ने वाले छात्रों को भविष्य के नवप्रवर्तक और महत्वपूर्ण विचारक बनने के लिए प्रेरित करना है।

इंस्पायर योजना के बारे में:

- **इंस्पायर (इनोवेशन इन साइंस परसुइट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च)** विज्ञान को बढ़ावा देने और अनुसंधान में करियर बनाने के लिए प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग** के माध्यम से कार्यान्वयन के लिए **भारत सरकार** द्वारा मंजूरी दी गई थी।
- इसे 31 दिसंबर, 2008 को प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था।
- इंस्पायर योजना में 3 कार्यक्रम और 5 घटक शामिल हैं।

  3 कार्यक्रम:

  (i) विज्ञान के लिए प्रारंभिक अवस्था में प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए योजना (SEATS)

  (ii) उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति (SHE)

(iii) अनुसंधान में भविष्य बनाने के लिए आश्वस्त अवसर (AORC)

5 घटक:

(i) इंस्पायर पुरस्कार - मानक

(ii) इंस्पायर इंटर्नशिप

(iii) इंस्पायर स्कॉलरशिप

(iv) इंस्पायर फ़ेलोशिप

(v) इंस्पायर फैकल्टी

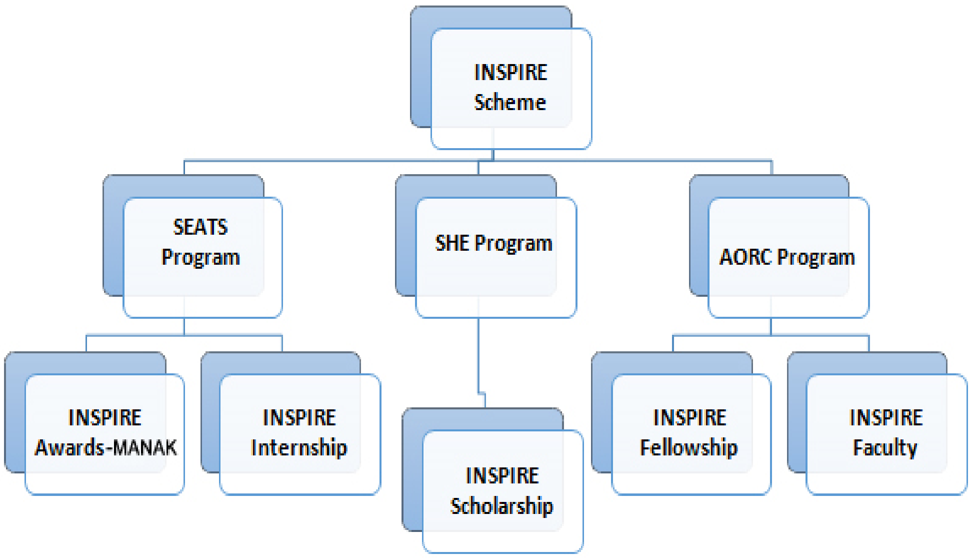

संबंधित पहल:

- स्वर्ण जयंती फैलोशिप (यह चयनित युवा वैज्ञानिकों को विशेष सहायता और अनुदान प्रदान करती है)
- विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति, 2020
- SERB-POWER योजना (महिला वैज्ञानिकों के लिए)

स्रोत: PIB

4. श्रीलंका ने मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए आर्थिक आपातकाल की घोषणा की

चर्चा में क्यों?

- **श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे** ने देश में **बढ़ती खाद्य कीमतों**, **मुद्रा मूल्यह्रास** और तेज़ी से **घटते विदेशी मुद्रा भंडार** के कारण आर्थिक आपातकाल की घोषणा की है।
- चीनी और चावल सहित आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी को रोकने के लिए **सार्वजनिक सुरक्षा अध्यादेश के** तहत आपातकाल घोषित किया गया था ।

प्रमुख बिंदु

श्रीलंकाई आर्थिक संकट के कारण:

- COVID-19 महामारी के दौरान श्रीलंका का पर्यटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है और विदेशी मुद्रा लाता है।
- विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के कारण, देश को माल आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा खरीदने के लिए धन की मात्रा बढ़ानी पड़ी। इस वृद्धि के कारण 2021 में अब तक श्रीलंकाई रुपये का लगभग 8 प्रतिशत अवमूल्यन हुआ है।
- चूंकि श्रीलंका देश में बुनियादी खाद्य आपूर्ति को पूरा करने के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है, इसलिए मूल्यह्रास मुद्रा ने खाद्य पदार्थों की कीमत में और वृद्धि की है।
- सरकार द्वारा खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग पर प्रतिबंध से कृषि उत्पादन क्षेत्र में कमी आई है।

आर्थिक आपातकालीन संकट के तहत किए गए उपाय:

- श्रीलंका सरकार ने पता लगाया गया है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि आवश्यक आपूर्ति जमाखोरी सट्टेबाजों के कारण है।

- सरकार ने **पूर्व सेना जनरल को आवश्यक सेवाओं के आयुक्त के रूप** में नियुक्त किया है जो व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं द्वारा रखे गए खाद्य स्टॉक को जब्त करने और उनकी कीमतों को विनियमित करने के लिए अधिकृत है।
- सेना को यह सुनिश्चित करने की शक्ति भी दी गई है कि विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग केवल आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए किया जाए।

स्रोत: द हिंदू

5. डेफएक्सपो (DefExpo) का 12वां संस्करण

चर्चा में क्यों?

- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी** ने केवडिया, गुजरात में डेफएक्सपो (DefExpo) -2022 की तैयारियों की संयुक्त रूप से समीक्षा की।
- डेफएक्सपो-2022 के आयोजन के लिए रक्षा मंत्रालय और गुजरात सरकार के बीच **एक समझौता ज्ञापन (MoU**) पर हस्ताक्षर किए गए।
- डेफएक्सपो का 12वां संस्करण दिनांक 10-13 मार्च, 2022 के बीच गुजरात के गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

डेफएक्सपो -2022 के बारे में:

- डेफएक्सपो भूमि संचालित, नौसेना, वायुसेना के साथ-साथ होमलैंड सुरक्षा प्रणालियों का प्रदर्शन करने वाला भारत का प्रमुख कार्यक्रम है।

- इसका उद्देश्य रक्षा में 'आत्मनिर्भर भारत' को प्राप्त करना और 2024 तक पाँच बिलियन अमरीकी डालर के रक्षा निर्यात लक्ष्य तक पहुँचना है।

नोट: डेफएक्सपो का पिछला संस्करण (11वां) फरवरी 2020 में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित किया गया था।

स्रोत: PIB

6. 08 सितंबर, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

चर्चा में क्यों?

- **अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (ILD) 2021** एक अंतर्राष्ट्रीय उत्सव है, जिसे प्रत्येक वर्ष 8 सितंबर को मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- ILD 2021 का विषय **"लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंटर्ड रिकवरी: नर्रोविंग द डिजिटल डिवाइड"** है।

इतिहास:

- व्यक्तियों, समुदायों और समाजों के लिए साक्षरता के महत्व को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को याद दिलाने के लिए 1966 में UNESCO द्वारा 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया गया था।
- साक्षरता का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों और सतत विकास के लिए **संयुक्त राष्ट्र के 2030 एजेंडा** का एक प्रमुख घटक है।

- सितंबर 2015 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाया गया संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास एजेंडा, लोगों के जीवन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सीखने के अवसरों तक सार्वभौमिक पहुंच को बढ़ावा देता है।
- **सतत विकास लक्ष्य (SDG) 4** का एक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी युवा साक्षरता और संख्यात्मकता हासिल करें और जिन वयस्कों में इन कौशलों की कमी है उन्हें ये हासिल करने का अवसर दिया जाए।

हाल के तथ्य:

- 773 मिलियन वयस्कों और युवाओं में बुनियादी साक्षरता कौशल की कमी है।
- 617 मिलियन बच्चे और किशोर पढ़ने और गणित में न्यूनतम दक्षता स्तर प्राप्त नहीं कर रहे हैं।

स्रोत: un.org